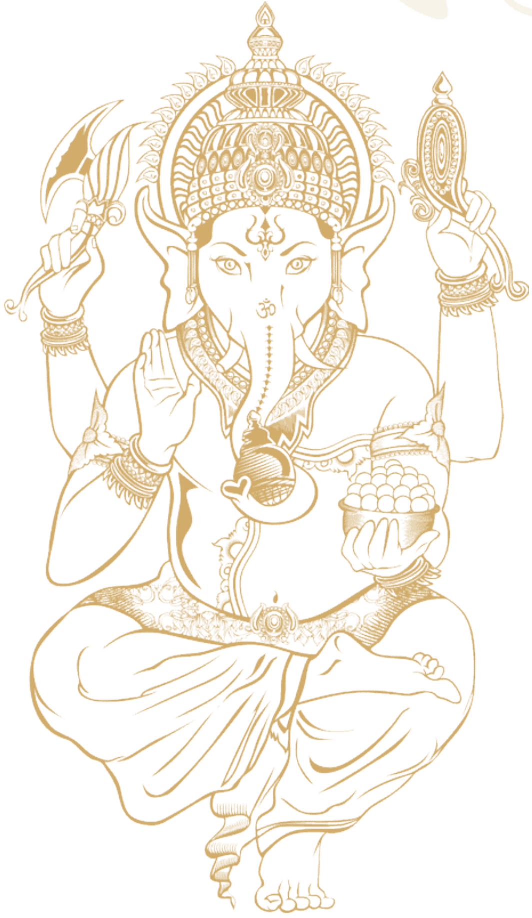

Bhishmavti

17 Jan 2026

05:55 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 120964004

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**16-17/01/2026**
दिन	शुक्र-शनिवार
जन्म समय	**05:55:00 घंटे**
इष्ट	56:39:35 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:33:52 घंटे
वेलान्तर	-00:09:41 घंटे
साम्पातिक काल	13:19:39 घंटे
सूर्योदय	07:15:09 घंटे
सूर्यास्त	17:46:53 घंटे
दिनमान	10:31:44 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	02:39:56 मकर
लग्न के अंश	11:33:39 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	व्याघात
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भी-भीनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	11:33:39	341:15:52	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			मक	02:39:56	01:01:07	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	12:10:17	12:11:10	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	सम राशि
मंगल		अ	मक	00:49:22	00:46:35	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	उच्च राशि
बुध		अ	धनु	29:41:39	01:38:15	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	24:59:32	00:07:58	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	05:07:58	01:15:27	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	मित्र राशि
शनि			मीन	03:04:00	00:04:52	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	15:30:40	00:08:27	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	15:30:40	00:08:27	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:22:44	00:00:56	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:33:07	00:01:15	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	08:59:42	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कन्या	27:19:37	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	गुरु	--

व - वक्री   स - स्थिर

अ - अस्त   पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:22

लग्न-चलित

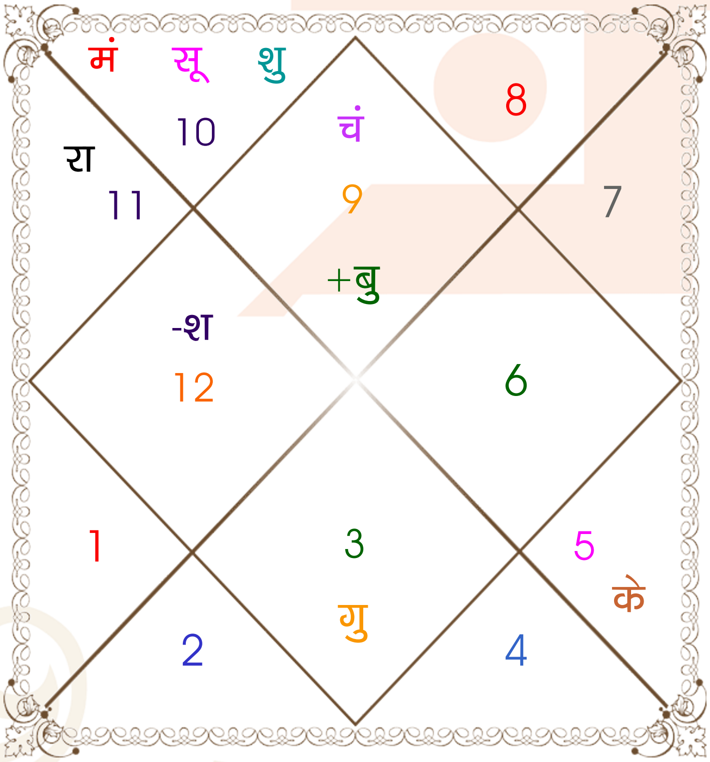

चन्द्र कुंडली

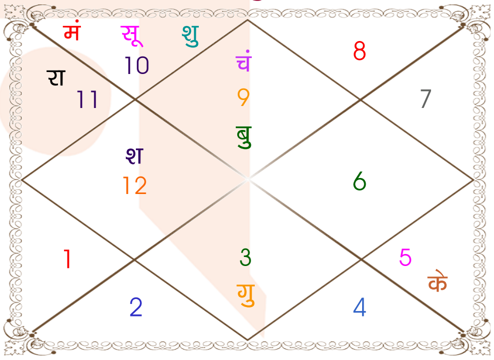

नवमांश कुंडली

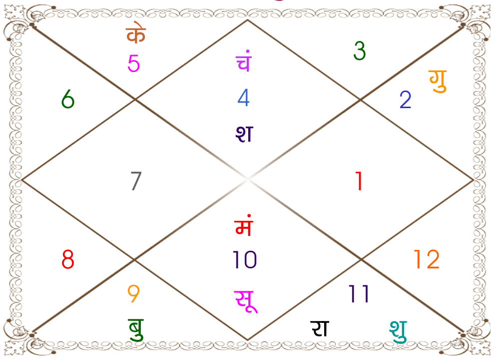

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 0 वर्ष 7 मास 9 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
17/01/2026		28/08/2026		28/08/2046		27/08/2052		28/08/2062	
28/08/2026		28/08/2046		27/08/2052		28/08/2062		27/08/2069	
	00/00/0000	शुक्र	27/12/2029	सूर्य	15/12/2046	चंद्र	27/06/2053	मंगल	24/01/2063
	00/00/0000	सूर्य	27/12/2030	चंद्र	16/06/2047	मंगल	26/01/2054	राहु	11/02/2064
	00/00/0000	चंद्र	27/08/2032	मंगल	22/10/2047	राहु	28/07/2055	गुरु	17/01/2065
	00/00/0000	मंगल	27/10/2033	राहु	14/09/2048	गुरु	26/11/2056	शनि	26/02/2066
	00/00/0000	राहु	27/10/2036	गुरु	04/07/2049	शनि	28/06/2058	बुध	23/02/2067
	00/00/0000	गुरु	28/06/2039	शनि	16/06/2050	बुध	27/11/2059	केतु	22/07/2067
	00/00/0000	शनि	28/08/2042	बुध	22/04/2051	केतु	27/06/2060	शुक्र	20/09/2068
	17/01/2026	बुध	27/06/2045	केतु	28/08/2051	शुक्र	26/02/2062	सूर्य	26/01/2069
बुध	28/08/2026	केतु	28/08/2046	शुक्र	27/08/2052	सूर्य	28/08/2062	चंद्र	27/08/2069

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
27/08/2069		28/08/2087		29/08/2103		29/08/2122		29/08/2139	
28/08/2087		29/08/2103		29/08/2122		29/08/2139		18/01/2146	
राहु	09/05/2072	गुरु	15/10/2089	शनि	01/09/2106	बुध	24/01/2125	केतु	25/01/2140
गुरु	03/10/2074	शनि	27/04/2092	बुध	11/05/2109	केतु	21/01/2126	शुक्र	26/03/2141
शनि	09/08/2077	बुध	03/08/2094	केतु	20/06/2110	शुक्र	21/11/2128	सूर्य	01/08/2141
बुध	26/02/2080	केतु	10/07/2095	शुक्र	19/08/2113	सूर्य	28/09/2129	चंद्र	02/03/2142
केतु	16/03/2081	शुक्र	10/03/2098	सूर्य	01/08/2114	चंद्र	27/02/2131	मंगल	29/07/2142
शुक्र	16/03/2084	सूर्य	27/12/2098	चंद्र	01/03/2116	मंगल	24/02/2132	राहु	17/08/2143
सूर्य	07/02/2085	चंद्र	28/04/2100	मंगल	10/04/2117	राहु	13/09/2134	गुरु	23/07/2144
चंद्र	09/08/2086	मंगल	04/04/2101	राहु	15/02/2120	गुरु	19/12/2136	शनि	31/08/2145
मंगल	28/08/2087	राहु	29/08/2103	गुरु	29/08/2122	शनि	29/08/2139	बुध	18/01/2146

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 0 वर्ष 7 मा 8 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपनी जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किन्चित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आप अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सकें। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकती हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखें।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहती हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगी एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगी तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगी। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगी। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगी। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति की प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगी। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगी तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगी तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतती रही तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगी। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।